

संक्षिप्त समाचार

कोल्हूआ नाले में मिला युवक का शव, सिर पर चोट के निशान; हत्या की आशंका

रायपुर। जिले के बसदेई चौकी क्षेत्र में सोनपुर नर्सरी के पास कोल्हूआ नाले में एक युवक का शव मिलने से इलाक़े में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सोनपुर निवासी नाहर सिंह के रूप में हुई है। युवक के सिर पर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालाँकि, उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फ़िलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार, कोल्हूआ नाले में युवक का शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, ताकि मौत के कारणों का पता लगाया जा सके। सिर पर चोट के निशान मिलने के कारण पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया के बाद रिपोर्ट से मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है। फ़िलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर में मारपीट और धमकी के मामले बढ़े, सड़क हादसों में 22 वर्षीय युवक की मौत

रायपुर। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में मारपीट, जान से मारने की धमकी, सड़क हादसों और वाहन चोरी के मामले सामने आए हैं। खमतराई क्षेत्र में पुरानी रॉजिश के चलते घर में घुसकर एक परिवार के तीन सदस्यों से मारपीट की गई। वहीं मुजगहन क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। तेलीबांधा क्षेत्र में पार्किंग से बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। खमतराई थाना क्षेत्र के बुधवारी बाजार, रावाभाटा में 1 अक्टूबर की शाम पुरानी रॉजिश को लेकर विवाद हुआ। शिकायत के अनुसार, धीरज और उसके अन्य साथियों ने उर्मिला यादव के घर का दरवाजा तोड़कर जबरन प्रवेश किया। आरोप है कि आरोपियों ने उर्मिला, उनके पति और बेटे के साथ गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी देते हुए ईट-पत्थर और डंडों से मारपीट कर चोट पहुंचाई। पुलिस ने 11 अक्टूबर को मामला दर्ज किया। खमतराई के शिवानंद नगर में 10 अक्टूबर को मोटरसाइकिल तेज और लापरवाही से चलाने की बात पर विवाद हो गया। शिकायतकर्ता अर्चित यादव ने वाहन चलाने के तरीके पर आपत्ति जताई तो आरोप है कि दो अज्ञात व्यक्तियों ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान एक एप्पल कंपनी का ब्ल्यूटूथ उपकरण भी तोड़ दिया गया मुजगहन थाना क्षेत्र के भटगांव में 10 अक्टूबर की रात ऑटो में जबरन बैठे व्यक्ति को उतरने के लिए कहने पर विवाद हो गया। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने लोकनाथ पारस के साथ गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुर्कों से मारपीट कर चोट पहुंचाई।

पीएम-किसान सम्मान निधि से देवेंद्र को खेती में मदद, सालाना मिल रहे 6 हजार रुपये

रायपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना जाँचगौर-चांपा जिले के किसान देवेंद्र कुमार साहू के लिए खेती-किसानी के खर्चों को पूरा करने में मददगार साबित हो रही है। बलीदा तहसील के ग्राम बिरगहनी निवासी देवेंद्र को योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है। इससे उन्हें खाद, बीज और खेती से जुड़ी अन्य जरूरतों के लिए खर्च का प्रबंधन करने में सहायलियत हो रही है। देवेंद्र कुमार साहू के परिवार की आजीविका का प्रमुख आधार खेती है। कृषि कार्यों के लिए समय पर खाद, बीज और अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करना जरूरी होता है। ऐसे में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाली राशि उन्हें इन जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। देवेंद्र बताते हैं कि योजना की शुरुआत से ही उन्हें इसका लाभ मिल रहा है। सहायता राशि से खेती के जरूरी खर्चों को पूरा करने में मदद मिलती है और कृषि कार्यों के प्रबंधन में सुविधा होती है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है।

21 अक्टूबर से वित्तीय समावेशन अभियान, पंचायतों और नगरीय निकायों में लगेंगे शिविर

रायपुर। वित्तीय समावेशन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक विशेष संतुष्टि अभियान चलाया जाएगा। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग की इस पहल के तहत ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इनमें पात्र हितग्राहियों को बैंकिंग सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के साथ बैंक खातों से जुड़ी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। अभियान के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय में कम से कम एक शिविर आयोजित किया जाएगा।

त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की सघन जांच के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा -नागरिकों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं

■ स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता और सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

रायपुर/ संवाददाता

स्वास्थ्य सेवाएं सीधे आम नागरिकों के जीवन और परिवार की सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय हैं। प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को आवश्यकता पड़ने पर समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार, आवश्यक दवाइयाँ, जांच और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हों, यह राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ सेवाओं की गुणवत्ता और अंतिम व्यक्ति तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने पर समान रूप से ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा



चिकित्सा शिक्षा विभाग के कामकाज की उच्चस्तरीय समीक्षा के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस दौरान संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, संचालनालय चिकित्सा शिक्षा, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन, संचालनालय आयुष एवं राष्ट्रीय आयुष मिशन तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अंतर्गत संचालित योजनाओं, उपलब्धियों और आगामी कार्ययोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश ने आज मंत्रालय महानदी भवन में विस्तार हुआ है। अनेक अच्छे अस्पताल

और चिकित्सा संस्थान विकसित हुए हैं। अब जहां चिकित्सकों, विशेषज्ञों, स्वास्थ्य कर्मियों, चिकित्सा उपकरणों अथवा जांच सुविधाओं की कमी है, उन्हें चिन्हित कर प्राथमिकता के साथ दूर किया जाए। उपलब्ध संसाधनों का बेहतर सर्वेक्षण हो और उनका अधिकतम लाभ मरीजों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश की बढ़ती आबादी और भविष्य की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास की दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में वर्तमान स्वास्थ्य

खेल अनुशासन और एकाग्रता का प्रतीक हैं- मंत्री श्री टंक राम वर्मा तिल्दा में चमका राजनादगांव-राज्य स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता के रोमांचक फ़इनल में रायपुर सेक्टर को दी शिकस्त



छत्तीसगढ़ के छह जिलों में आंधी बारिश,बिजली गिरने का अलर्ट

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। मौसम विभाग ने प्रदेश के छह जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की आंधी और बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कुछ इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। मौसम में बदलाव की संभावना के बीच रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान में वृद्धि भी दर्ज की गई। राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, बालोद, राजनांदगांव, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम और मुंगेली जिले के कुछ हिस्सों में मौसम बदल सकता है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की

संभावना है। इसके साथ ही आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवा चलने की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम में होने वाले इस बदलाव का असर स्थानीय स्तर पर देखने को मिल सकता है। तेज हवा और गरज-चमक के दौरान लोगों को खुले स्थानों पर रहने से बचना चाहिए। विशेष रूप से खेतों में काम करने वाले किसानों, खुले में काम करने वाले श्रमिकों और दोपहिया वाहन चालकों को सावधानी बरतने की जरूरत है। मौसम में बदलाव की संभावना के बीच रविवार को तापमान में भी वृद्धि दर्ज की गई। राजधानी रायपुर के लालपुर मौसम केंद्र में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों में भी अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

जनदर्शन में उप मुख्यमंत्री ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

लोगों की समस्याओं का समाधान शासन-प्रशासन की प्राथमिकता....

■ 520 से अधिक आवेदकों ने रखी अपनी मांगें एवं समस्याएं

■ मांग पर हितग्राही को तत्काल मिला श्रवण यंत्र

रायपुर/ संवाददाता

नागरिकों की समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों को सुनकर उनके निराकरण के लिए शासन-प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद

नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे तथा प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागों के माध्यम से नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जनदर्शन कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। इस दौरान लोगों ने अपनी आवश्यकताओं, स्थानीय समस्याओं और विकास से जुड़ी मांगों को सामने रखा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नागरिकों की बातों को सुनते हुए उनके आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया।

सेवा की कहानी

पूरे विश्व की पहली अक्षय ऊर्जा से जगमग है अनिल शर्मा का मकान

■ प्रधानमंत्री सूर्य घर का प्लांट लगाकर अपने बिजली बिल से मुक्त हुए अनिल शर्मा

रायपुर/ संवाददाता

देश की ऊर्जा जरूरतों को विकल्प देने के लिए देश भर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना लागू की गई है। इसके तहत उपभोक्ताओं को बेहद आसान प्रक्रिया के तहत सौर ऊर्जा उपकरण स्थापित कर वैकल्पिक ऊर्जा का माध्यम दिया जा रहा है। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर में रहने वाले वरिष्ठ नागरिक श्री अनिल शर्मा ने अपने घर की छत पर प्लांट लगाकर अपने मासिक बिजली बिल को लगभग शून्य कर लिया है। बढ़ती लागत के साथ अब तापीय विद्युत की आपूर्ति ना केवल उपभोक्ता के

लिए मंहगी है वरन इस विद्युत का उत्पादन भी कहीं ना कहीं पर्यावरण की चिंता का मुख्य कारण बन रहा है। ऐसे में आज की आवश्यकता है कि हम बिजली के उन स्रोतों की ओर आगे बढ़ें जो पर्यावरण के बिल्कुल अनुकूल हों। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सौर ऊर्जा एक ऐसा ही शानदार विकल्प बनकर उभर रहा है। सूर्यघर योजना के तहत लाभ लेने वाले महलपारा निवासी श्री अनिल शर्मा ने बताया कि उन्होंने जानकारी होने पर अपने घर में बिजली की खपत के अनुसार अपने नाम पर तीन किलोवाट का एक संयंत्र लगवाया और फिर बढ़ती जरूरतों के अनुसार उन्होंने अपने बेटे के नाम पर भी एक तीन किलो का सोलर प्लांट रूपस्थापन पर लगवाया है। अब उनके पास हर समय बिजली का एक शानदार स्रोत है। श्री अनिल शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना बेहद शानदार है। इसमें



आने वाली लागत का लगभग सत्तर प्रतिशत राशि आसानी से अनुदान के तहत प्राप्त हो जाती है और बैंक से आसान ऋण लेकर इसे अपने घरों की छत पर लगवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में केंद्र सरकार से 78 हजार और राज्य

सरकार से 30 हजार की सब्सिडी वह प्राप्त कर चुके हैं। बिजली बिल लगभग शून्य श्री अनिल शर्मा ने बताया कि उनके घर में कुछ किराएदार भी रहते हैं जिससे बिजली की निरंतर खपत होती रहती हैं। अत्यधिक खपत के कारण बढ़ी हुई दरों से बिजली का मूल्यांकन होता था

पटाखा लाइसेंस के लिए ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य,वेरिफिकेशन के बाद ही मिलेगा परमिट

रायपुर। संवाददाता

पटाखा बेचने के लिए इस साल नियम कड़े कर दिए गए हैं। चाहे स्थायी दुकान हो या अस्थायी स्टॉल, पटाखा बेचने के लिए अब हर व्यापारी को ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा। बिना लाइसेंस पटाखा बेचते पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने इस बार पटाखा लाइसेंस प्रणाली को पूरी तरह से डिजिटल कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत आवेदक को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ आधार कार्ड समेत संबंधित दस्तावेज अपलोड करना जरूरी है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि इस बार पुलिस वेरिफिकेशन को अनिवार्य कर दिया गया है। आवेदन करने वाले हर व्यक्ति के दस्तावेजों की गहन जांच की जाएगी। साथ ही उसका आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जाएगा। यदि किसी आवेदक पर पहले से कोई अपराधिक मामला दर्ज है या वह अवैध पटाखा बिक्री में लिप्त पाया गया है, तो उसका आवेदन सीधे निरस्त कर दिया जाएगा। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार अब तक 100 से ज्यादा ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इसमें स्थायी लाइसेंस से लिए सिर्फ 14 लोगों ने ही आवेदन दिया है। इन सभी आवेदनों के दस्तावेजों की जांच का काम चल रहा है। पुलिस की टीम वेरिफिकेशन कर रही है। प्रशासन का कहना है कि यह कदम सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। पिछले वर्षों में देखा गया था कि बिना अनुमति के घनी बस्तियों में पटाखे बेचे जाते थे, जिससे हादसे का खतरा बना रहता था। इस बार ऐसी जगहों पर लाइसेंस नहीं दिया जाएगा। पटाखा दुकान के लिए अस्थायी लाइसेंस लेने की फीस 600 और स्थायी के लिए 1800 रुपए ही तय की गई है। लेकिन दस्तावेजों और प्रमाण पत्रों की संख्या ज्यादा होने की वजह से आवेदन कम हो रहे हैं। पटाखा दुकानों में केवल ग्रीन और लाइसेंस वाले ही पटाखे बेचने की शर्त के कारण कम दुकानदार आवेदन कर रहे हैं। हालाँकि हर साल जितने आवेदन आते हैं उससे ज्यादा ही संख्या में शहर में पटाखा दुकान खुलते हैं।

छत्तीसगढ़ में बिजली की मांग 6300 मेगावाट तक पहुंची.....

■ एक्सचेंज से खरीदी जा रही अतिरिक्त बिजली

रायपुर। संवाददाता

देशभर में बिजली की बढ़ती मांग के बीच छत्तीसगढ़ में उपभोक्ताओं की आवश्यकता के अनुरूप बिजली की उपलब्धता बनाए रखने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। पीक आवस में प्रदेश में बिजली की मांग बढ़कर करीब 6300 मेगावाट तक पहुंच गई है। उमस भरे मौसम, कृषि पंपों के बढ़ते संचालन और एयर कंडीशनर सहित अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग से प्रदेश में बिजली की खपत बढ़ी है, जिसकी आपूर्ति सुनिश्चित की गई। रविवार शाम को बिजली की मांग 6300 मेगावाट तक पहुंची। पीक आवस में एक्सचेंज से अतिरिक्त बिजली खरीदी जा रही है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने बताया कि प्रदेश में सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं को निरंतर और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। मांग में वृद्धि का आकलन करते हुए बिजली की अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर पावर एक्सचेंज से 10 रुपये प्रति यूनिट तक की दर पर भी बिजली खरीदी जा रही है। ताकि पीक आवस में आपूर्ति बनाए रखी जा सके। वर्तमान में पूरे देश में अधिक दरों पर भी बिजली उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

सूरज की रोशनी से घर रोशन, चार महीने से बिजली बिल शून्य

जिससे पहले बिजली बिल बहुत अधिक आता था लेकिन अब जबसे सोलर रूफटॉप लगा है बिजली बिल लगभग शून्य हो चुका है। उन्होंने इस अच्छे और सस्ते उर्जा स्रोत के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देते हुए कहा यह योजना बहुत ही सराहनीय है उन्हे इसका लाभ अच्छे से मिल रहा है।

बस्तर संभाग के सुकमा जिले के पटनमपारा निवासी श्रीमती श्यामा मजूमदार के घर की बिजली जरूरतें अब सूरज की रोशनी से पूरी हो रही हैं। कभी भर महीने 300 से 500 रुपए तक आने वाला बिजली बिल पिछले चार महीनों से शून्य दर्ज हो रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने कवर्धा में क्रीड़ा प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

प्रदेश के पांचों जोन के 440 खिलाड़ी वॉलीबाल, सॉफ्टबाल और हैंडबाल में दिखाएंगे दमखम

कवर्धा। खेल भावना, अनुशासन और उत्साह के बीच कबीरधाम जिले में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ हुआ। स्वामी करपात्री स्टेडियम, कवर्धा में आयोजित समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस दौरान ध्वज फहराया गया और विभिन्न जोनों से आए खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट कर खेल भावना, एकता और अनुशासन का परिचय दिया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल खेलिए और पूरे उत्साह के साथ खेलिए। हार और जीत हमेशा हमारे हाथ में नहीं होती, इसलिए परिणाम की चिंता करने के बजाय अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। खिलाड़ियों का प्रदर्शन ऐसा होना चाहिए कि दर्शक खेल देखकर तालियां बजाते लगे और कहें कि



क्या शानदार खेल दिखाया है। यही खेल का असली आनंद और सच्ची खेल भावना है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मेहनत सफलता दिलाती है और सफलता से सम्मान मिलता है। जब आप सफल होते हैं, तो दुनिया आपकी प्रतिभा को पहचानती है। सफलता का कोई अलग मंत्र नहीं है। इसके लिए जरूरी है कि खिलाड़ी अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए पूरी लगन, मेहनत और समर्पण के साथ जुटे रहें। उप मुख्यमंत्री शर्मा

ने कहा कि खिलाड़ियों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जीत-हार के पीछे परेशान होने के बजाय अच्छे खेल के लिए मेहनत करनी चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पांचों जोन से आए सभी युवा खिलाड़ियों का वे हृदय से स्वागत करते हैं। बस्तर के दूरस्थ अंचलों, अबूझमाड़, सुकमा और बीजापुर से आए खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें विशेष खुशी हुई। उन्होंने कहा कि बस्तर के युवा अब नक्सलवाद के

पंचायत कवर्धा की अध्यक्ष सुभमा गणपत बघेल, विजय पटेल, संतोष पटेल, मनीराम, लोकचंद साहू, उमंग पांडेय, जिला शिक्षा अधिकारी एफ आर वर्मा सहित खिलाड़ी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग, जिला कबीरधाम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह चार दिवसीय प्रतियोगिता 13 से 16 अक्टूबर तक चलेगी। इसमें प्रदेश के बिलासपुर, सरगुजा, बस्तर, रायपुर और दुर्ग जोन के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में बालक वर्ग से 220 और बालिका वर्ग से 220 खिलाड़ी शामिल हैं। इस प्रकार कुल 440 प्रतिभागी एवं अधिकारी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की वॉलीबाल तथा 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की सॉफ्टबाल और हैंडबाल स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। चार दिनों तक चलने वाली इन स्पर्धाओं में खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा, कोशल और टीम भावना का प्रदर्शन करेंगे।

गन्ना बोनस बढ़ने पर किसानों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का किया स्वागत-अभिनंदन

कवर्धा। गन्ने की खरीदी अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किए जाने का निर्णय से उत्साहित किसानों ने आज बोड़ला स्थित सर्किट हाउस में उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा का स्वागत-अभिनंदन किया। किसानों ने उन्हें गन्ना भेंट कर इस पहल के लिए बधाई दी और अपनी खुशी जाहिर की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के कुल 31,022 गन्ना विक्रेता किसानों को लगभग 51.09 करोड़ रुपए की बोनस राशि प्राप्त होगी। उल्लेखनीय है कि बोनस गणना का आधार बढ़ने से किसानों को 95.95 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बोनस मिलेगा। इस निर्णय से गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा तथा खेती की लागत वहन करने और



आगामी फसल की तैयारी में सहायता मिलेगी। किसानों ने गन्ना बोनस की गणना का आधार बढ़ाने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार जताया।

कलेक्टर ने भोरमदेव शक्कर कारखाने का किया निरीक्षण

कवर्धा। आगामी गन्ना पेराई सत्र की तैयारियों और शक्कर उत्पादन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कारखाने की मशीनरी, गन्ना खरीदी, शक्कर उत्पादन और रखरखाव कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कारखाने में लगी मशीनों का अवलोकन किया और गन्ने से शक्कर तैयार करने की पूरी प्रक्रिया को समझा। उन्होंने अधिकारियों से गन्ना खरीदी, शक्कर उत्पादन की स्थिति और



कारखाने की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही, कारखाने में चल रहे रखरखाव (मैटेनेंस) कार्यों का जायजा लेते हुए इन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि आगामी पेराई सत्र के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए।

उप मुख्यमंत्री ने बोड़ला में 60 लाख रूपए के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन



कवर्धा। बोड़ला में प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार और उच्च शिक्षा के लिए अधोसंरचना विकास को गति देते हुए उप मुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज 60 लाख रुपये के दो विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके तहत एसडीएम कार्यालय बोड़ला में 30 लाख रुपये की लागत से सभा कक्ष सह सामुदायिक शौचालय तथा शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में 30 लाख रुपये की लागत से अतिरिक्त कक्ष का निर्माण किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने 40 लाख रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की। इसमें

कॉलेज में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 15 लाख रुपये, बालिका शौचालय निर्माण के लिए 4.60 लाख रुपये, ग्राम भीरा में मंगल भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये तथा सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख 40 हजार रुपये शामिल हैं। इसके साथ ही कॉलेज में स्मार्ट बोर्ड, इंटरनेट सुविधा और एआई आधारित तकनीक उपलब्ध कराने की पहल की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल तकनीक और नवाचार के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि तकनीक का उपयोग ज्ञान बढ़ाने, क्षमताओं के विकास और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होने में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी तकनीक के स्वामी बनें, तकनीक उनकी स्वामी न बने। चौटजीपीटी, जेमिनाई, ग्रीक और परप्लेक्सिटी जैसे एआई टूल्स का उपयोग पढ़ाई और रचनात्मक कार्यों को बेहतर बनाने में किया जा सकता है। साथ ही विद्यार्थियों को अपने संस्कारों और मूल्यों को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विधानसभा क्षेत्र के 85 स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड लगाने की योजना पर काम किया जा रहा है।

अंतर-विद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन विधायक दीपेश ने किया खिलाड़ियों को पुरस्कृत

बेमेतरा। पीजी कॉलेज, बेमेतरा में एल्ट फुटबॉल एकेडमी द्वारा आयोजित अंतर-विद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेल के मैदान में खिलाड़ी टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्ष करने की प्रेरणा सीखते हैं। जीत हमें आगे बढ़ने का उत्साह देती है, जबकि हार हमें बेहतर प्रदर्शन का अवसर प्रदान करती है। विधायक साहू ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही काल के भविष्य हैं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ भासिकता का विकास



होता है। फुटबॉल जैसे समूहिक खेल युवाओं में आपसी सहयोग, समयबद्धता और लक्ष्य के प्रति समर्पण की भावना विकसित करते हैं। बेमेतरा जिले के युवाओं में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता है उन्हें उचित प्रशिक्षण, बेहतर खेल सुविधाएं और मंच प्रदान करने की। विधायक साहू ने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे खेल को जीवन में अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच का हिस्सा बनाएं। जीत पर विनम्र रहें और हार से सीख लें। उन्होंने सफल आयोजन के लिए एल्ट फुटबॉल एकेडमी, प्राचार्य डॉ. डी.आर. साहू, प्रशिक्षकों और सभी सहयोगियों को बधाई दी।

जिला पंचायत सीईओ ने वीबी जी राम जी के कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता और समय पर पूरा करने के लिए निर्देश

बेमेतरा। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी मती प्रेमलता पद्माकर ने विकसित भारत – जी राम जी योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत बेरला के ग्राम पंचायत रेवे एवं भरचट्टी में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत रेवे में निर्माणाधीन मुक्तिधाम, विद्यालय में



बालिका शौचालय तथा चेक डैम निर्माण कार्य का अवलोकन किया गया। वहीं ग्राम पंचायत भरचट्टी में विद्यालय में बालिका शौचालय निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। सीईओ पद्माकर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालय जैसी

बोड़ला के 44 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित



कवर्धा। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान के आकांक्षी विकासखंड बोड़ला के 44 ग्राम पंचायतों को निर्धारित मानकों को पूरा करने के आधार पर टीबी मुक्त घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में स्थानीय वीर सावरकर भवन कवर्धा में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान टीबी उन्मूलन अभियान की जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जोश टीम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चन्द्रवंशी,

नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य एवं जिला स्वास्थ्य समिति की अध्यक्ष पूर्णिमा साहू सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि आकांक्षी विकासखंड बोड़ला के 44 सहित ग्राम पंचायत सहित जिले के 144 ग्राम पंचायतें भी टीबी मुक्त घोषित किया गया है। आकांक्षी विकासखंड बोड़ला की 44 ग्राम पंचायतों का टीबी मुक्त घोषित होना क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता दायरा, टीबी के प्रति जागरूकता, समय पर जांच एवं उपचार तथा समुदाय की भागीदारी के महत्व को रेखांकित करता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी दी कि वर्ष 2025 में जिले की कुल 470 ग्राम पंचायतों में से 144 ग्राम पंचायतों को निर्धारित इह सूचकांकों के आधार पर टीबी मुक्त घोषित किया गया।

टोकन के माध्यम से किया जाएगा उर्वरक विक्रय, बड़ेगी पारदर्शिता

फ्रेमवर्क का मुख्य उद्देश्य किसानों को सही समय पर, उचित मूल्य पर और बिना किसी कालाबाजारी के गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध करना है

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य में शीघ्र ही किसानों को टोकन के माध्यम से उर्वरक विक्रय किया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ने देश भर में उर्वरकों के वितरण, बिक्री और मूल्य नियंत्रण को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने के लिए फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (उर्वरक बिक्री रूपरेखा) की घोषणा की है। इस नए फ्रेमवर्क का मुख्य उद्देश्य किसानों को सही समय पर, उचित मूल्य पर और बिना किसी कालाबाजारी के गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराना है। उर्वरक



की बिक्री मुख्य रूप से पॉइंट ऑफ सेल (पॉस) मशीनों के माध्यम से आधार द्वारा बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही की जाएगी। राज्यों और जिलों में उर्वरक की मांग और उपलब्धता की वास्तविक समय निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड फ

(एमआरपी) का बोर्ड लगाना होगा। निर्धारित मूल्य से अधिक वसूलने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक-तैर-कृषि कार्यों या उद्योगों में कृषि-ग्रेड उर्वरक (जैसे यूरिया) के अवैध मोड़ को रोकने के लिए निगरानी तंत्र को और कड़ा किया गया। संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा-किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य के अनुसार यूरिया, डीएपी और एनपीके के संतुलित उपयोग के साथ-साथ बायो-फर्टिलाइजर्स और नैनो यूरिया के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी के तारतम्य में मास्टर ट्रेनर डॉ श्याम लाल साहू सहायक संचालक कृषि व दीपक कुमार साहू कृषि विकास अधिकारी के द्वारा जिले के समस्त वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों, कृषि विकास अधिकारियों एवं ग्रामीण कृषि वित्तार अधिकारियों को नवीन उर्वरक वितरण प्रणाली साफ्टवेयर का प्रशिक्षण दिया गया। आगामी कुछ दिनों में सभी सेवा सहकारी समिति प्रबंधकों, उनके कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं निजी कृषि केन्द्रों के प्रोप्राइटर को भी प्रशिक्षित किया जाएगा।

पीजी कॉलेज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष बने योगेश वर्मा, विधायक दीपेश साहू ने किया वाटर कूलर का लोकार्पण

विधायक ने कहा – विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करना प्राथमिकता, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने भी दी शुभकामनाएं

बेमेतरा। शहर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, बेमेतरा में जनभागीदारी समिति के नवनिर्वाच अध्यक्ष योगेश वर्मा का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि तथा नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक निधि से महाविद्यालय को प्रदान किए गए वाटर कूलर का फीता कटकर लोकार्पण किया गया। इससे महाविद्यालय के विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।

शिक्षा के साथ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी: विधायक दीपेश साहू

समारोह को संबोधित करते हुए बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने नवनिर्वाच अध्यक्ष योगेश वर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय युवाओं के सपनों को दिशा देने, उनकी प्रतिभा निखारने और व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ



बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विधायक साहू ने कहा कि क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों में सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। महाविद्यालय में वाटर कूलर की सुविधा इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी समिति महाविद्यालय के विकास में अहम भूमिका निभाती है। महाविद्यालय प्रबंधन, जनप्रतिनिधियों और समाज के सामूहिक सहयोग से शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के साथ विद्यार्थियों के हित में अनेक सकारात्मक कार्य किए जा सकते हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाच अध्यक्ष योगेश वर्मा के नेतृत्व में जनभागीदारी समिति महाविद्यालय के विकास, शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार तथा विद्यार्थियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सक्रियता से कार्य करेगी। विद्यार्थियों की सुविधाएं और महाविद्यालय का विकास प्राथमिकता: विजय सिन्हा नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने अपने संक्षिप्त संबोधन में नवनिर्वाच अध्यक्ष योगेश वर्मा को बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय का विकास और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों, महाविद्यालय प्रबंधन और

जनभागीदारी समिति के समन्वित प्रयासों से सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी मिलना उनके हितों को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी। नई जिम्मेदारी मिलने पर योगेश वर्मा ने विधायक दीपेश साहू का जताया आभार- जनभागीदारी समिति के नवनिर्वाच अध्यक्ष योगेश वर्मा ने कहा कि पीजी कॉलेज में अध्ययन के रूप में जिम्मेदारी मिलना उनके लिए हर्ष और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने इस दायित्व के लिए विधायक दीपेश साहू सहित सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण और नई ऊर्जा के साथ महाविद्यालय के विकास तथा

विद्यार्थियों के हित में कार्य करेंगे। उन्होंने सभी के सहयोग से महाविद्यालय को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की रही उपस्थिति- कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, हर्षवर्धन तिवारी, हेरीलाल सिन्हा, प्रवीण नीलू राजपूत, महामंत्री डॉ. विनय साहू, संदीप यादव, रेवाम निषाद, पार्षद नेतृ कोठारी, पार्षद सिमरन ताम्रकार, लक्मी साहू, राजकुमार खांडे, एल्डरमैन कमलेश वर्मा, दोहई वर्मा, शेखर वर्मा, भानूराम साहू, राजू देवांगन, डॉ. नरेश साहू, गोल्ड कोशल, माहेश्वर वर्मा, दुर्गा वर्मा, राजीव तन्वोली, राकेश वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, महाविद्यालय के प्राचार्य डीआर साहू प्राध्यापकगण, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक में अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी मिलने के बाद ही की जाएगी। राज्यों और जिलों में उर्वरक की मांग और उपलब्धता की वास्तविक समय निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड फ

नवरात्रि पर अध्यात्मिक और कला का अद्भुत संगम 25 फीट ऊंचे शिवलिंग, गुप्ता और 9 चैतन्य देवियों की अलौकिक झांकी 13 से 20 तक 'प्रभु स्मृति भवन' में विशेष झांकी

बेमेतरा। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व के शुभ अवसर पर बेमेतरा शहर में एक अत्यंत अलौकिक, भव्य एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरिय विश्वविद्यालय, बेमेतरा सेवा केंद्र की प्रभारी बी के शशि बहन के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में बेमेतरा जिले के समस्त निवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक शक्ति का संचार करने के उद्देश्य से यह भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन का सबसे मुख्य और अलौकिक आकर्षण 25 फीट ऊंचा विशाल शिवलिंग होगा। इस विशालकाय शिवलिंग के दर्शन कर श्रद्धालु परमात्मा शिव की असीम कृपा और शांति की अनुभूति कर सकेंगे। परमात्मा शिव का यह स्वरूप सर्व आत्माओं के कल्याण एवं जीवन को शक्तिशाली बनाने की प्रेरणा देता है। इसके अलावा इस वर्ष झांकी का स्वरूप अत्यंत अद्भुत और अनूद्य होगा। यहाँ एक विशेष गुप्ता का निर्माण किया जा रहा है। इस गुप्ता के भीतर से मां जगदम्बा के पावन शक्ति स्वरूप की 9 चैतन्य (सजीव) देवियां प्रकट होती हुई दिखाई देंगी। चैतन्य देवियों की यह मनोरम झांकी दर्शकों को भक्ति भाव और

परमात्मा की अलौकिक शक्तियों से सराबोर कर देगी। झांकी को अत्यंत जीवंत, आकर्षक और प्रभावकारी बनाने के लिए ध्वनि एवं प्रकाश का अति सुंदर समायोजन किया गया है। अत्याधुनिक लाइट इफेक्ट्स और सुमधुर आध्यात्मिक भजनों व ध्वनियों का यह संगम हर आने वाले श्रद्धालु को एक अलौकिक और दिव्य लोक की अनुभूति कराएगा। झांकी दर्शन का समय एवं स्थान झांकी की तिथि 13 से 20 तक दर्शाना का समय प्रतिदिन संध्या 7:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक स्थान विश्वविद्यालय, प्रभु स्मृति भवन, रेस्ट हाउस रोड, बेमेतरा। विशेष आयोजन 7-दिवसीय निःशुल्क तनाव मुक्ति शिविर जनमानस को जीवन की आपाधापी, तनाव से मुक्ति दिलाने 7-दिवसीय निःशुल्क तनाव मुक्ति शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है। जिसमें प्रातःकालीन सत्र प्रथम सत्र: प्रातः 7:30 बजे से 8:30 बजे तक द्वितीय सत्र: प्रातः 8:30 बजे से 9:30 बजे तक सार्यांकालीन/रात्रि प्रथम सत्र: शाम 6:00 बजे से 7:00 बजे तक द्वितीय सत्र: रात्रि 8:00 बजे से 9:00 बजे तक रहेगा।

लिपिंगी और जमदरा गांव में हाथियों ने जमकर मचाया उत्पात फसलों को किया गया बर्बाद



सरगुजा जिले में जंगली हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। लखनपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत कुञ्जी सर्कल के ग्राम जमदरा और लिपिंगी में बुधवार की रात हाथियों के दल ने जमकर उत्पात मचाया। बताया जा रहा है कि हाथियों का दल उदयपुर क्षेत्र के कर्म कटरा जंगल से निकलकर ग्राम लिपिंगी जमदरा पहुंचा है।ग्राम लिपिंगी जमदरा में हाथियों के दल ने किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। खेतों में खड़ी फसलों की तबाही से किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, हाथियों का दिल वापस उदयपुर वन परीक्षेत्र लौट गया। क्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।लगातार हाथियों के विचरण और फसलों को हो रहे नुकसान से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों को आसंका है कि हाथियों का दल आबादी वाले क्षेत्रों और खेतों की ओर बढ़ सकता है। वहीं वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों के नजदीक न जाए उन्हें घेरेने या भगाने का प्रयास न करें तथा हाथियों की गतिविधियों की सूचना वन विभाग को दें।

दिसंबर 2026 की सेमेस्टर परीक्षाएं 17 नवम्बर से

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में दिसम्बर 2026 की सेमेस्टर परीक्षाएं दिनांक 17/11/2026 से प्रारम्भ हो रही हैं 7 ध्यातव्य है कि महाविद्यालय में आंतरिक मूल्यांकन पूर्ण हो गया है तथा विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए सेमेस्टर परीक्षा दिनांक 17/11/2026 से लेकर 23/12/2026 के मध्य आयोजित की जा रही है 7 इस परीक्षा हेतु परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया चल रही है 7 परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 20/10/2026 है 7 परीक्षा के आयोजन के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करते हुए प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए यह प्रयास किया जा रहा है कि समय से परीक्षाएं आयोजित कर उन्हें एक सप्ताह का सेमेस्टर ब्रेक दिया जा सके 7 साथ ही अगले सेमेस्टर की कक्षाएं 01 जनवरी से प्रारम्भ की जा सकें

सरकार आपके द्वार शिविरों का आयोजन केन्द्र व राज्य सरकार की गहरी संवेदनशीलता का परिचायक

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के दर्ी जोनांतर्गत आयोजित शिविर को संबोधित करते हुये प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज कहा कि " सरकार आपके द्वार " शिविरों का आयोजन केन्द्र एवं राज्य सरकार की गहरी संवेदनशीलता का परिचायक है, उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सेवाकाल के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में " सेवा संकल्प अभियान व सेवा सेतु अभियान " के तहत यह शिविर लगाये जा रहे हैं, इन शिविरों के माध्यम से जहाँ एक ओर आमनागरिकों की शिकायतों व समस्याओं का त्वरित निराकरण हो रहा है, तो वहीं दूसरी ओर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। राज्य शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा " सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा सेतु अभियान " के तहत निगम के सभी जोन में क्रमशः "सरकार आपके द्वार" शिविर आयोजित किये जा रहे हैं, शिविर आयोजन की इस कड़ी में निगम के दर्ी जोन कार्यालय में शिविर आयोजित किया गया। प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी रायपूत ने शिविर में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुये शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये ट्यालों का निरीक्षण किया। इस मौके पर सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय सहित मेयर इन कार्डसिल के सदस्यगण, पार्षद व एएडमेनगण विशेष रूप से उपस्थित थे। शिविर को संबोधित करते हुये उद्योग मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि हमें गर्व है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सेवाकाल के 25 वर्ष ऐतिहासिक रहे हैं, वे 13 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे तथा अब 12 वर्षों से देश के प्रधानमंत्री हैं, उनके मार्गदर्शन में देश के विकास में ऐतिहासिक कार्य हुये हैं। उन्होने आगे कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटलबिहारी वाजपेयी ने हमें छत्तीसगढ़ राज्य की सौगत दी तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अब छत्तीसगढ़ को संवार रहे हैं।

हकीकत से रूबरू हुए युवा,कुत्री ग्राम पंचायत के एक्सपोज़र विजिट में समझा स्थानीय शासन और सामुदायिक विकास...

अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर के सोशल इन्ोवेशन एंड कम्युनिटी एंगेजमेंट सेल एवं मुहिम फंडेशन द्वारा जनपद पंचायत लखनपुर, सरगुजा के सहयोग से यूथ लीडरशिप एंड कम्युनिटी एक्शन सर्टिफिकेट कोर्स के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय एक्सपोज़र विज़िट का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत कुञ्जी ग्राम पंचायत का दौरा कर ग्रामीण जीवन, स्थानीय शासन व्यवस्था और सामुदायिक विकास की प्रक्रियाओं को करीब से समझा। इस पहल का उद्देश्य कक्षा में अर्जित ज्ञान को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ना और विद्यार्थियों को जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक विस्थाओं, स्थानीय प्रशासन तथा सामुदायिक भागीदारी की भूमिका से परिचित कराना था। एक्सपोज़र विज़िट के दौरान विद्यार्थियों ने

छत्तीसगढ़

स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

करंट से मौत के बाद शव वाहन के लिए घंटों इंतजार करते रहे परिजन

लखनपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक युवक की करंट से मौत के बाद शव वाहन के लिए परिजनों को घंटों इंतजार करना पड़ा। घटना के बाद अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। मामले की जानकारी मिलने पर नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए।दरअसल, बुधवार को ग्राम रेमहला और लब्बी के बीच स्थित झिलमिली जंगल में जंगली सुअरों से फसल बचाने के लिए लगाए गए बिजली करंट को चपेट में आने से जुगेश्वर पिता शंकर पावले उम्र 25 वर्ष ग्राम रेमहला निवासी की मौत हो गई थी। घटना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव घर ले जाने के लिए परिजनों को वाहन उपलब्ध होने का

इंतजार करना पड़ा। काफी मशकत के बाद उन्हें शव वाहन मिल सका। वहीं मर्ग कायम कुञ्जी पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मामले में जीवनदीप समिति के वाहन चालक महमूद खान ने आरोप लगाया कि शासन द्वारा नियमित रूप से नियुक्त वाहन चालक अपनी जिम्मेदारी का समुचित निर्वहन नहीं कर रहे हैं और ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित रहते हैं। इसके कारण शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने और परिजनों को व्यवस्था में सुधार लाने की जिम्मेदारी जीवनदीप समिति के कर्मचारियों को उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि नियमित कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए, ताकि किसी ज़रूरतमंद परिवार को परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं, मृतक के परिजनों ने भी वाहन उपलब्ध कराने में हुई देरी को लेकर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि परिवार के सदस्य को खोने के दुख के बीच उन्हें शव ले जाने के लिए भी परेशान होना पड़ा। इस घटना ने आपात



परिस्थितियों में अस्पताल की व्यवस्थाओं और शव वाहन की उपलब्धता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की जानकारी मिलने पर लखनपुर नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहू ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वाहन चालकों की कमी और नियमित चालक के अनुपस्थित रहने के बात सामने आई। अध्यक्ष ने अनुपस्थित

कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने तथा कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर सख्ती करने के निर्देश खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओम प्रकाश प्रसाद को दिए। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नियमित, सविदा और जीवनदीप समिति के कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए। हाजिरी रजिस्टर में

कर्मचारियों के हस्ताक्षर नहीं होने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई और भविष्य में ऐसी स्थिति नहीं बनने देने की बात कही। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि अनुपस्थित वाहन चालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जीवनदीप समिति के माध्यम से अन्य चालक की व्यवस्था की जाए, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने रात के समय स्वास्थ्य व्यवस्था और अस्पताल में चौकीदार की अनुपलब्धता को लेकर भी सवाल उठाए। इस पर खंड चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अस्पताल में कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के कार्य करने पड़ते हैं और यहां चौकीदार की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने इस समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत कराने की बात कही। इस घटना के बाद लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कर्मचारियों की उपस्थिति, वाहन संचालन और प्रशासनिक निगरानी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए चौथी ओपन काउंसलिंग 16 अक्टूबर को

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा प्रवेश, विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के निर्देश गौरे ला-पेण्ड्रा-मरवाही।

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनातर्गत प्रयास आवासीय विद्यालयों की तर्ज पर संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु चतुर्थ ओपन काउंसलिंग का आयोजन 16 अक्टूबर शुक्रवार को किया गया है। यह काउंसलिंग 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विभागीय पर उपलब्ध रिक्त सीटों के आधार पर चतुर्थ ओपन काउंसलिंग की तिथि निर्धारित की

गई है।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार काउंसलिंग सुबह 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इन्द्रावती भवन, अटल नगर, नया रायपुर में आयोजित होगा। काउंसलिंग का स्थान इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नवर ब्लाक 5 तृतीय तल हॉल नं. 4 है। काउंसलिंग में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को कक्षा 8वीं की अंकसूची, पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी नक्सल पीड़ित प्रमाण पत्र (जहां लागू हो), निर्धारित प्रारूप में आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा विशेष श्रेणी से संबंधित प्रमाण पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। दिव्यांग, अनाथ, विधवा माता की संतान तथा अन्य निर्धारित

विशेष श्रेणियों के अभ्यर्थियों को संबंधित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। काउंसलिंग के पश्चात प्रवेश की पात्रता होने पर संबंधित प्रयास आवासीय विद्यालय में दो दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी से काउंटर हस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) तथा जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। रिक्त सीटों की संख्या में वृद्धि अथवा कमी भी हो सकती है। विभाग द्वारा पात्र विद्यार्थियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ काउंसलिंग में उपस्थित होने की अपील की गई है, ताकि प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सके।

लखनपुर में एक दिन बाद 21 अक्टूबर को मनेगा दशहरा पर्व, 60 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन

लखनपुर। नगर में नवरात्रि का उत्साह चरम पर है। मां दुर्गा के पंडालों में सुबह-शाम आरती, पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण किया जा रहा है। वहीं, प्रतिदिन आयोजित विशाल भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। लखनपुर में पुरानी परंपरा के अनुसार अंबिकापुर से एक दिन बाद 21 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर स्थानीय मिनी साक्षरता स्टेडियम में लगभग 60 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। लखनपुर के बाजारपारामा में आजादी से पहले वर्ष 1944 से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की परंपरा शुरू हुई थी, जो आज भी निरंतर जारी है। इसी तरह बस स्टैंड में नवचेतना दुर्गा पूजा समिति द्वारा वर्ष 1976 से लगातार मां दुर्गा की स्थापना कर विधि-विधान से पूजा की जा रही है। दोनों स्थानों पर आकर्षक साज-सज्जा की गई है। नवचेतना दुर्गा पूजा समिति द्वारा रंगारंग भक्ति कार्यक्रमों में भाग आयोजन किया जा रहा है। नगर के प्राचीन मां महामाया मंदिर में 400 ज्योति कलश प्रन्वलिित किए गए हैं। वहीं,



बाजारपारा स्थित मां भवानी मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अपने-अपने नाम से 113 ज्योति कलश प्रन्वलिित कराए गए हैं। इन धार्मिक आयोजनों से पूरे नगर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। दशहरा पर्व को लेकर स्थानीय मिनी साक्षरता स्टेडियम में तैयारियां जोरों पर हैं। पुलिस थाना के सामने स्थित स्टेडियम में स्थानीय कलाकारों द्वारा लगभग 60 फीट ऊंचे रावण के पुतले का निर्माण किया जा रहा है। समिति के सदस्य नरेंद्र पांडे एवं सुरेश साहू ने बताया कि इस वर्ष कार्यक्रमों में भगवान श्रीराम की स्तुति विशेष आकर्षण रहेगी। बाहर से आए कलाकारों द्वारा शाम 6 बजे से 7 बजे तक रामायण का

आधारित भगवान श्रीराम की स्तुति प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद शाम 7:30 बजे मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल की उपस्थिति में रावण दहन किया जाएगा। लखनपुर में अंबिकापुर के एक दिन बाद दशहरा मनाने की परंपरा वर्षों पुरानी है। बताया जाता है कि राजा-महाराजाओं के समय लखनपुर के राजा दशहरा के दिन अंबिकापुर राजघराने में सलामी देने जाया करते थे। इसी परंपरा के चलते लखनपुर में एक दिन बाद दशहरा मनाने की परंपरा शुरू हुई, जो आज भी कायम है। एक दिन बाद दशहरा मनाए जाने के कारण यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और लोगों की भीड़ जुटती है। दशहरा उत्सव के दौरान संभावित भीड़ को देखते हुए दुर्गा पूजा समिति और पुलिस के बीच बैठक आयोजित कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक में पार्किंग और वाहनों के आवागमन को लेकर व्यवस्था तय की गई। जानकारी के अनुसार, सुमन पंप के पास तथा जुनाडी में पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी।

कोरवा आदिवासी की तीर मारकर हत्या,दो के खिलाफ केस दर्ज

कोरवा। जिले के स्थानों थाना क्षेत्र के ग्राम सिमकेंदा सिरकी डुडारू में एक कोरवा आदिवासी की हत्या का मामला सामने आया है। रामदुलार कोरवा का शव घर के सामने खून से लथपथ हालत में मिला। मृतक की पत्नी ने गांव के ही दो लोगों पर तीर-धनुष और सब्बल से हमला कर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना 10 अक्टूबर की रात करीब नौ बजे की है। मृतक की पत्नी बुधवारी कोरवा ने 11 अक्टूबर की सुबह घटना की जानकारी दी। उसने आरोप लगाते हुए बताया कि घरेलू बातों को लेकर अघन कोरवा और नंदू कोरवा ने

उसके पति पर हमला किया, जिससे उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने अघन कोरवा 22 वर्ष और नंदू कोरवा 65 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम सिमकेंदा सिरकी डुडारू, के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है। घटना के बाद से पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है। घटना के पीछे जमीन विवाद की आशंका भी जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच के बाद ही विवाद की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस का कहना है कि आरोपित के पकड़े जाने के बाद पुष्टताछ से ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी।



की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ना भी उतना ही आवश्यक है। खुशबू शास्त्री, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ग्रहह), जनपद पंचायत लखनपुर ने कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि युवा गांव में आकर स्थानीय शासन और ग्रामीण विकास की प्रक्रियाओं को करीब से समझ रहे हैं। गांव के विकास में पंचायत, समुदाय और विभिन्न संस्थाओं

की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मुझे उम्मीद है कि इस तरह के अनुभव युवाओं को अपने आसपास की समस्याओं को समझने और उनके समाधान में सकरात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगे। डॉ. दीपक सिंह, समन्वयक, सोशल इन्ोवेशन एंड कम्युनिटी एंगेजमेंट सेल, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

आलिंगन सिर्फ अंतरंगता के लिए ही नहीं होता है, बल्कि इससे भी बहुत ज्यादा होता है। आलिंगन प्यार जताने का एक बेहतरीन तरीका तो है ही साथ ही इसके स्वास्थ्यगत फायदे भी हैं। इससे स्मरण शक्ति बढ़ती है और तनाव कम होता है। वैज्ञानिकों को पता चला है कि जब आप किसी को गले लगाते हैं, तो इससे रक्त में एक हार्मोन ऑक्सीटोसिन का साव होता है। इससे उच्च रक्तचाप में कमी आती है, तनाव और बेचैनी कम होती है और इससे आपकी स्मरण शक्ति भी बेहतर होती है।

बिंदी लगाने से दूर होती हैं झुर्रियां...

हजारों वर्षों से हमारे देश में पुरुष माथे पर तिलक और महिलाएं बिंदी लगाती आ रही हैं। इससे हमारी सेहत भी जुड़ी हुई है। भौंहों के बीच दाएं शरीर की सभी नसें मिलती हैं। इसे अग्निचक्र या तृतीय नेत्र भी कहते हैं। बिंदी लगाने से मन शांत व तनाव कम होता है। एक्सप्रेसर के अनुसार इस बिंदु पर मसाज करने से सिरदर्द में राहत मिलती है। नसें और रक्त कोशिकाएं रिलेक्स हो जाती हैं। इस पॉइंट पर मसाज करने से रक्त का संचालन नाक के आसपास अच्छी तरह से होने लगता है। साइनस से होने वाली सूजन कम हो जाती है और बंद नाक खुल जाती है। चेहरे की मांसपेशियां मजबूत होती हैं जिससे झुर्रियों का आना कम होता है। बिंदी रक्त का प्रवाह बढ़ाकर मांसपेशियों को लचीला बनाती है। इस पॉइंट पर मसाज करने से चेहरे की नसें सक्रिय होती हैं और चेहरे के पक्षाघात का खतरा घटता है। आयुर्वेद में इसे शिरोभाग कहते हैं। इसमें 40-60 मिनट तक मेडिकेटेड ऑयल से इस बिंदु पर मसाज की जाती है। कपाल के मध्य के केंद्र बिंदु की नसें आंखों की मांसपेशियों से संबंधित हैं जो अगल-बगल और स्पष्ट देखने में मदद करती हैं। जो नस चेहरे की मांसपेशियों को उत्तेजित करती है वह कान के भीतर की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर कान को स्वस्थ रखने में मदद करती है। भौंह के बीच लाइन कम होती है। मसाज करने पर रक्तप्रवाह बढ़ता है जिससे फाइन लाइंस चली जाती हैं। चेहरे, गर्दन, पीठ और शरीर के ऊपरी भाग की मांसपेशियों की उत्तेजना को घटाकर मन को शांत करने का काम बिंदी करती है। इससे अनिद्रा में भी राहत मिलती है।



हर कोई चाहता है वह स्वस्थ और लम्बी उम्र जिए लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में हम कुछ ऐसे काम करते हैं, जिनसे हमारे जीवन के कुछ घंटे, कुछ दिन या कुछ साल कम होते चले जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार टीवी का हर एक घंटा आपके जीवन से 22 मिनट कम कर रहा है। यानी अगर आप औसतन हर रोज छह घंटे टीवी देखते हैं, तो आपके जीवन से पांच साल कम हो सकते हैं। यह सही है कि आपको काम से छुट्टी की जरूरत है ताकि शरीर को आराम मिल सके। लेकिन बहुत ज्यादा आराम नुकसानदेह हो सकता है। काम के बाद अचानक लंबे वक़्त तक आराम इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है। सोना शरीर के लिए जरूरी है लेकिन बहुत ज्यादा सोने से आपकी उम्र कम हो सकती है। आठ घंटे से ज्यादा बिस्तर पर पड़े रहने से फायदा कम और नुकसान ज्यादा होता है। इसलिए नियमित रूप से सोएं, लेकिन आठ घंटे से ज्यादा नहीं। क्या आपको दफ्तर में कई घंटे बैठना पड़ता है? जामा इंटरनल मेडिसिन की रिसर्च बताती है कि दिन में ग्यारह घंटे बैठने से मौत का खतरा 40 फीसदी बढ़ जाता है। इसलिए काम के बीच में ब्रेक लें और हो सके तो कुछ देर खड़े रह कर काम करें। शरीर के लिए कसरत बेहद जरूरी है लेकिन सिर्फ शौक के चलते जरूरत से ज्यादा कसरत करना नुकसानदेह है। बेहतर होगा अगर डॉक्टर या फिजिकल ट्रेनर की राय के मुताबिक कसरत की जाए।



आलिंगन से एक व्यक्ति की आत्मिक ऊर्जा दूसरे के मन और चेतना में प्रवेश करने लगती है। ऐसा करने से परेशान व्यक्ति को राहत मिलती है। एक अध्ययन से पता चला है कि ब्रिटेनवासी प्रत्येक आलिंगन में नौ सेकेंड से अधिक का समय लगाते हैं और इस तरह हर महीने आलिंगन के लिए वे एक घंटा समय खर्च करते हैं। सिर्फ यही नहीं, आलिंगन में इतना समय खर्च करने के बावजूद सर्वेक्षण में शामिल किए गए 41 प्रतिशत लोगों ने कहा कि हम आलिंगन में और भी समय खर्च करना चाहते हैं। सर्वेक्षण में पाया गया है कि 69 प्रतिशत ब्रिटिश अपने प्रेमी या प्रेमिका के साथ आलिंगन करना चाहते हैं, जबकि 14 प्रतिशत अपने करीबी मित्र के साथ और नौ प्रतिशत ही अपनी मां के साथ आलिंगन करना चाहते हैं। वास्तव में आलिंगन प्यार जताने का सबसे बेहतरीन तरीका है। कोई कितना भी परेशान क्यों न हो किसी अपने के गले लगाकर बहुत अच्छा महसूस करता है। क्योंकि आलिंगन से एक व्यक्ति की आत्मिक ऊर्जा दूसरे के मन और चेतना में प्रवेश करने लगती है। ऐसा करने से परेशान व्यक्ति को तो राहत मिलती ही है, साथ ही आलिंगन वाला स्वयं भी ऊर्जा से भर उठता है।

प्यार जताने का तरीका
आलिंगन प्यार जताने का सबसे बेहतरीन तरीका है। कोई कितना भी परेशान क्यों न हो किसी अपने के गले लगाकर बहुत अच्छा महसूस करता है। क्योंकि आलिंगन से एक व्यक्ति की आत्मिक ऊर्जा दूसरे के मन और चेतना में प्रवेश करने लगती है। ऐसा करने से परेशान व्यक्ति को तो राहत मिलती ही है, साथ ही आलिंगन वाला स्वयं भी ऊर्जा से भर उठता है। एक ताजा अध्ययन के अनुसार, आलिंगन से स्वास्थ्य को भी फायदा होता है।

ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल
वास्तव में आलिंगन स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है, और एक स्वस्थ जीवनशैली को बनाए रखने में भी मदद करता है। जीवन को उदरता और दया भाव से जीना वाकई गर्व और हर्ष की बात है, लेकिन इसके लिए आपको दुनिया को देखने के अपने नजरिये पर विचार मंथन करना होता है। भलाई करते समय पूरी सावधानी भी बरतनी पड़ती है। जीवन जीने के दो विकल्प होते हैं, या तो आप दयालु भाव और उदारता के साथ जीवन जिएं। और दूसरा विकल्प होता है कि जैसा जीवन जी रहे हैं, वैसे ही जीते रहें। जीवन को उदरता और दया भाव से जीना वाकई गर्व और हर्ष का विषय है। मानव शरीर पांच तत्वों से बना है और उसकी आत्मा बनी है प्रेम से। उदारता आत्मा को पवित्र करती है। उदारता के साथ जीवन जीने पर हर दिन, हर पल जीवन आनंद का अनुभव करता है। तो चलिए जानें कि कैसे खुद को उदार बनाएं और एक बेहतर जीवन की शुरुआत करें।

यह कमजोरी नहीं
कई लोग सहिष्णुता का अर्थ कमजोरी समझ लेते हैं और ईंट का जवाब पत्थर से देने को आतुर रहते हैं। लेकिन इससे बात खत्म नहीं होती, बल्कि बढ़ती है। इससे आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू होता है। अधिकांश मामलों में सहिष्णुता के माध्यम से ही वातावरण को तनावमुक्त कर सामान्य बनाया जा सकता है।

जीवन को उदरता और दया भाव से जीना
वाकई गर्व और हर्ष की बात है, लेकिन इसके लिए आपको दुनिया को देखने के अपने नजरिये पर विचार मंथन करना होता है। भलाई करते समय पूरी सावधानी भी बरतनी पड़ती है। जीवन जीने के दो विकल्प होते हैं, या तो आप दयालु भाव और उदारता के साथ जीवन जिएं। और दूसरा विकल्प होता है कि जैसा जीवन जी रहे हैं, वैसे ही जीते रहें। जीवन को उदरता और दया भाव से जीना वाकई गर्व और हर्ष का विषय है। मानव शरीर पांच तत्वों से बना है और उसकी आत्मा बनी है प्रेम से। उदारता आत्मा को पवित्र करती है। उदारता के साथ जीवन जीने पर हर दिन, हर पल जीवन आनंद का अनुभव करता है। तो चलिए जानें कि कैसे खुद को उदार बनाएं और एक बेहतर जीवन की शुरुआत करें।

औरों की मदद करें
किसी से मदद लेना कोई बुरी बात नहीं। सभी को जीवन में कभी ना कभी, किसी ना किसी की मदद की आवश्यकता पड़ती ही है। इसलिए इसे अहं का विषय न बनाएं। मदद लें, लेकिन औरों की भी मदद करें। जब आप किसी की मदद करते हैं तो न सिर्फ आपको बल्कि लोगों को भी उदारता का महत्व समझ आता है। कभी-कभी थोड़ा समय निकाल कर किसी जरूरतमंद इंसान की सहायता करें। जरूरी नहीं कि यह सहायता धन की ही हो, आप किसी काम में उसकी मदद कर भी उसके मुश्किल व तनावपूर्ण दिन को बेहतर और आसान बना सकते हैं।

डिप्रेशन कम करता है

कई शोधों से भी यह बात साबित हो गई है कि किसी के साथ आलिंगन करने से अवसाद से लड़ने में मदद मिलती है। आलिंगन के दौरान रक्त से ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन का साव अवसाद से लड़ता है। अगर कोई अपने साथी की बांहों में सोता है तो न केवल उसको आरामदायक और शांतिपूर्ण नींद आती है बल्कि अगले दिन चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान लेकर जागता है।



एक-दूसरे को जानना जरूरी
न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट्स के मुताबिक गले लगाने का फायदा हालांकि तभी मिलता है, जब गले लगने वाले दोनों व्यक्ति एक-दूसरे को जानते हों और एक-दूसरे पर भरोसा करते हों। यदि गले लगने वाले व्यक्ति एक-दूसरे को नहीं जानते या दोनों में से एक गले नहीं लगना चाहे तो इसका कोई फायदा नहीं मिल पाता है। उल्टे इससे बेचैनी बढ़ जाती है। गले लगाना अच्छी बात है, लेकिन भले ही कोई भी कितना भी एक-दूसरे से गले लगे, वास्तविकता यह है कि महत्वपूर्ण चीज आपसी भरोसा है।

रूखापन खत्म होता है
महिलाओं में बच्चों को जन्म देते वक़्त और स्तनपान कराते वक़्त इस हार्मोन का साव होता है, जिससे माता और बच्चों के बीच लगाव बढ़ता है। शोधार्थियों के मुताबिक अपने प्रियजनों को गले लगाने वाले व्यक्ति के स्वभाव का रूखापन भी समाप्त होता है और उसमें समय के साथ मधुरता का विकास होता है।

आभार और उदारता के फायदे...
महिलाओं से सीखें
पूरी दुनिया की महिलाएं उदारता और सहिष्णुता का अनुपम उदाहरण हैं। उनका त्याग, सेवा, दयाभाव व परिवार के प्रति समर्पित भाव उनकी सहिष्णुता के कारण ही होता है। कई बार खुद आधा पेट खाकर पति, बच्चों व पूरे परिवार को भोजन कराने वाली भारतीय महिला बीमारी, हाथ-पैर दर्द व अन्य तकलीफों के समय भी अपने कामों में जुटी रहती हैं। यह उनकी सहिष्णुता और उदारता का ही अनुपम उदाहरण है।
सतर्कता रखें
उदारता के साथ सतर्कता रखने की भी जरूरत होती है ताकि आपकी उदारता और भलमनसाहत का लोग अनुचित लाभ न उठाते पाएं। सज्जनों को टग लेना आसान है। इसलिए उदार बने लेकिन सतर्क भी रहें।



इंडियन लाइसेंस से विदेशों में ड्राइविंग...



अगर आपके पास इंडियन लाइसेंस है और कार ड्राइविंग के शौकीन तो आपके लिए यह खुशखबरी है कि आप विदेशों की स्मृथ सड़कों पर भी ड्राइविंग का मजा ले सकते हैं। विदेशों में भी आप इंडियन लाइसेंस को साथ वहां के नियम और कानून का पालन करते हुए कार या फिर बाइक आदि ड्राइव कर सकते हैं। आइए जानते हैं उन देशों के बारे में जहां इंडियन लाइसेंस के साथ ड्राइविंग की जा सकती है।

न्यूजीलैंड
अगर आपकी उम्र 21 साल से ज्यादा है तो आप 1 साल तक न्यूजीलैंड में इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के साथ कार ड्राइव कर सकते हैं। अगर आपका इंडियन लाइसेंस इंग्लिश में नहीं है तो एबेसी से न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी से ट्रांसलेट कराना होता है।

ऑस्ट्रेलिया
आप न्यू साउथ वेल्स, क्वीन्सलैंड, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलिया कैपिटल टेरिटरी में ही भारतीय वैलिड ड्राइविंग लाइसेंस से ड्राइव कर सकते हैं। लीगल ड्राइविंग लाइसेंस के साथ आप वही गाड़ी चला सकते हैं जिसकी इजाजत भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस में है। यहां इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस सिर्फ 3 महीने के तक ही चलेगा।

फ्रांस
फ्रांस में इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस को एबेसी से फ्रेंच में ट्रांसलेट कराना भूलने पर मुसीबत खड़ी हो सकती है। फ्रांस में इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस 1 साल तक चलता है।

अमेरिका
अमेरिका में आप भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस से एक साल तक कार ड्राइव कर सकते हैं। इसके बाद आपको इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट बनवाना पड़ेगा।

साउथ अफ्रीका
साउथ अफ्रीका में कार ड्राइव करने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस इंग्लिश में होना चाहिए और साथ ही इसमें आपकी फोटो और साइन होना सबसे जरूरी है।

नार्वे
अगर आपको नार्वे में ज्यादा समय के लिए रहना है तो आपको वहां का ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना पड़ेगा। यहां पर आप इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के साथ 3 महीने तक ही कार ड्राइव कर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड
कार ड्राइव करने के लिए इंडियन लाइसेंस स्विट्जरलैंड में सिर्फ 1 साल तक के लिए ही लीगल होता है।

इंग्लैंड
इंग्लैंड में आप इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस के साथ सिर्फ छेटी कार और बाइक ही अपने लाइसेंस से चला सकते हैं। यूके को कार ड्राइव के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन माना जाता है।

जर्मनी
अगर आपके पास इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है तो एबेसी से इंडियन ड्राइविंग लाइसेंस को जर्मनी में ट्रांसलेट करवा सकते हैं और जर्मनी में 6 महीने तक कार ड्राइव कर सकते हैं।

विचार मंथन
आप दुनिया को देखने के अपने नजरिए पर जब विचार मंथन कर यह जानने की कोशिश करते हैं कि क्या वाकई आपका नजरिया सही है। ऐसा करके आप अपने नजरिये में काफ़ी सुधार कर सकते हैं। बुरे तजुर्बे अवसर नकारात्मक भावना लेकर आते हैं, इसलिए यह याद रखना कि किसी की उदरता की वजह से आपका कई बार भला हुआ है, आपको उदार बनने के लिए प्रेरित करता है।
सराहना करना सीखें
खुद की ओर दूसरे लोगों की सराहना करना सीखें। इसकी शुरुआत अपने सबसे अच्छे अध्यापक तो एक धन्यवाद पत्र लिखकर करें। जब आप ऐसा करेंगे तो आपके अध्यापक को कहीं बाद वो पत्र पाकर बेहद खुशी और गर्व होगा कि उनके आपको सिखाते समय दिखाए धैर्य और उदारता का सही फल मिला है। इससे आपको भी उदार बनने की प्रवृत्त प्रेरणा मिलेगी।
गलतियों को मानें
कहते हैं कि जो इंसान अपनी गलतियों से सीखता है वह उन्हें दोहराना नहीं है और बेहतर जीवन जीता है। इसलिये अपनी गलतियों को छिपाएं नहीं, उन्हें स्वीकार करें और सीख लें। इससे ना सिर्फ उदार बनेंगे बल्कि आप में सकारात्मक भी पैदा करता है।

साल्हेवारा में बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर का सोनोग्राफी केंद्र सीलबंद

साल्हेवारा। साल्हेवारा में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन से जुड़ी अनियमितताओं के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर के सोनोग्राफी केंद्र को सीलबंद कर दिया। बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 को जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य उन्होंने आगामी सप्ताह में संबंधित विभाग की संयुक्त टीम ने टीम के पुनर्गठन की योजना की भी पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों के जानकारी दी। शिकायत के बाद हुई थी तहत यह कार्रवाई की। केंद्र की जांच जांच, नोटिस भी जारी किया गया में अधिकृत रेडियोलॉजिस्ट की प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालाजी अनुपलब्धता सहित कई डायग्नोस्टिक सेंटर, साल्हेवारा के अनियमितताएं सामने आने के बाद संबंध में पूर्व में प्राप्त शिकायत के यह कदम उठाया गया। साल्हेवारा आधार पर पीसीपीएनडीटी एक्ट के क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई को स्वास्थ्य जिला नोडल अधिकारी डॉ. मनीष संस्थानों



कोई अधिकृत से विस्तृत जानकारी देते हुए बताया रेडियोलॉजिस्ट उपलब्ध नहीं था। कि बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर से इसके अतिरिक्त पीसीपीएनडीटी एक्ट संबंधित यह मामला काफी समय से के तहत निर्धारित प्रपत्रों को लॉन्ग था। उन्होंने मामले को नियमानुसार नहीं भरा जा रहा था। गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर से सोनोग्राफी रिपोर्टिंग से संबंधित आवश्यक आदेश पर हस्ताक्षर कराने दस्तावेजों में ऐसे प्रारूप भी मिले, के लिए पहले की तथा 14 अक्टूबर जिनमें किसी अन्य रेडियोलॉजिस्ट के को कार्रवाई की तारीख भी अंतिम डिजिटल हस्ताक्षर पहले से अंकित थे। रूप से निर्धारित

कोई अधिकृत से विस्तृत जानकारी देते हुए बताया रेडियोलॉजिस्ट उपलब्ध नहीं था। कि बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर से इसके अतिरिक्त पीसीपीएनडीटी एक्ट संबंधित यह मामला काफी समय से के तहत निर्धारित प्रपत्रों को लॉन्ग था। उन्होंने मामले को नियमानुसार नहीं भरा जा रहा था। गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर से सोनोग्राफी रिपोर्टिंग से संबंधित आवश्यक आदेश पर हस्ताक्षर कराने दस्तावेजों में ऐसे प्रारूप भी मिले, के लिए पहले की तथा 14 अक्टूबर जिनमें किसी अन्य रेडियोलॉजिस्ट के को कार्रवाई की तारीख भी अंतिम डिजिटल हस्ताक्षर पहले से अंकित थे। रूप से निर्धारित



सीएमएचओ डॉ. अनिल शुक्ला की। साल्हेवारा इन अनियमितताओं को गंभीरता से संवाददाता द्वारा इस संबंध में लेते हुए नियमानुसार कार्रवाई की सीएमएचओ से फोन पर संपर्क कर प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। जिला जानकारी लेने का प्रयास किया गया। सलाहकार समिति के निर्णय के बाद फोन पर विस्तृत जानकारी नहीं मिल सीलबंदी- केंद्र संचालक द्वारा नोटिस पाने के बाद व्हाट्सएप के माध्यम के संबंध में प्रस्तुत जवाब को जिला उनसे मामले की पृष्ठभूमि, कार्रवाई सलाहकार समिति की बैठक में की प्रक्रिया और आगे की विचारार्थ रखा गया। बैठक में जांच कार्ययोजना के संबंध में जानकारी प्रतिवेदन, सामने आई

अनियमितताओं प्राप्त की गई। सीएमएचओ ने स्पष्ट और संचालक के जवाब पर विस्तृत किया कि जिले में स्वास्थ्य संस्थानों विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद के संचालन में नियमों के उल्लंघन के समिति ने सर्वसम्मति से संबंधित मामलों पर आगे भी कार्रवाई जारी सोनोग्राफी केंद्र को सीलबंद करने का रहेगी। निर्णय लिया। समिति के निर्णय के आधार पर कलेक्टर सह समुचित प्राधिकारी, पीसीपीएनडीटी, जिला खैरागढ़ - छुईखदान - गंडई ने उच्चस्तरीय संयुक्त जांच एवं कार्रवाई दल गठित कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में 14 अक्टूबर को संयुक्त टीम बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर, साल्हेवारा पहुंची और निर्धारित प्रक्रिया के तहत सोनोग्राफी केंद्र को सीलबंद कर दिया। कार्रवाई के दौरान ये अधिकारी रहे उपस्थित संयुक्त कार्रवाई दल में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती पूजा पिंका, पीसीपीएनडीटी के अधिकृत समुचित प्राधिकारी डॉ.

मनीष बघेल, डॉ. बोधन सिंह, डॉ. पंकज वैष्णव, डॉ. विवेक बिसेन एवं संबंधित लिपिक श्री अर्पित गुप्ता उपस्थित रहे। आगामी सप्ताह में टीम के पुनर्गठन की तैयारी, आगे भी होगी कार्रवाई- सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने व्हाट्सएप पर हुई बातचीत में बताया कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी को प्रभावी बनाने के लिए आगामी सप्ताह में टीम के पुनर्गठन की योजना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले स्वास्थ्य संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी साल्हेवारा स्थित बालाजी डायग्नोस्टिक सेंटर के सोनोग्राफी केंद्र की सीलबंदी से यह संदेश गया है कि स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में निर्धारित कानूनी प्रावधानों की अनदेखी को प्रशासन गंभीरता से ले रहा है। अब क्षेत्रवासियों की नजर इस बात पर रहेगी कि जिले में अन्य स्वास्थ्य संस्थानों की जांच एवं निगरानी के दौरान क्या कदम उठाए जाते हैं।

नौ दिन, नौ देवियों का सम्मान : दुर्ग के सतीचौरा मंदिर में रोज 150 से अधिक बेटियों का पूजन और कन्या भोज



आस्था के साथ शिक्षा और सेवा का संदेश, सरकारी स्कूलों की बच्चियों को भोजन के साथ भेंट की जा रही शिक्षण एवं उपयोगी सामग्री

दुर्ग। नवरात्र में मां दुर्गा की आराधना के साथ कन्या पूजन की परंपरा सदियों से चली आ रही है, लेकिन दुर्ग के गंजपारा स्थित श्री सतीचौरा मां दुर्गा मंदिर में इस परंपरा को सेवा और बेटियों की शिक्षा से जोड़कर विशेष रूप दिया जा रहा है। यहां नवरात्र के पूरे नौ दिनों तक प्रतिदिन 150 से अधिक कन्याओं का पूजन कर उन्हें कन्या भोज कराया जा रहा है। इतना ही नहीं, बच्चियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए बैग, टिफिन, वाटर बॉटल, कॉपी, पेन और अन्य उपयोगी सामग्री भी भेंट की जा रही है।

मंदिर परिसर में प्रतिदिन सुबह 9 बजे माता का अभिषेक किया जाता है, जिसके बाद दोपहर 12 बजे कन्या पूजन और कन्या भोज का आयोजन होता है। इस पहल को खास बात यह है कि विभिन्न सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली बच्चियों को वाहन से मंदिर परिसर तक लाया जाता है। यहां उन्हें देवी स्वरूप मानकर तिलक लगाया जाता है, पूजन किया जाता है और भोजन कराने के साथ उपहार स्वरूप आवश्यक सामग्री प्रदान की जाती है।

पूजा के साथ बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहन- समिति के ईशान शर्मा और अर्जित शुक्ला ने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन अलग-अलग सरकारी स्कूलों की बच्चियों को आमंत्रित कर कन्या पूजन और भोज कराया जा रहा है। बच्चियों को बैग, वाटर बॉटल, टिफिन, ड्राइंग बुक, पेंसिल, रबर, शार्पनर, कॉपी, पेन बॉक्स और नौ प्रकार के फल सहित विभिन्न उपयोगी सामग्री भेंट की जाती है।

इस पहल के पीछे समिति का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाना भी है। समिति का मानना है कि बेटियां शिक्षित होंगी, तो परिवार और समाज भी प्रगति करेगा। कन्या पूजन के माध्यम से बच्चियों के सम्मान, शिक्षा और स्वास्थ्य

जीवन के महत्व का संदेश दिया जा रहा है।
पायल जैन नौ दिनों तक कर रही सेवा- इस आयोजन में समाजसेविका पायल जैन भी विशेष योगदान दे रही हैं। उनके द्वारा पूरे नौ दिनों तक कन्याओं को फल और शिक्षण कार्य में उपयोगी सामग्री भेंट की जा रही है। कन्याओं का तिलक लगाकर पूजन किया जाता है और उन्हें चुनरी ओढ़ाकर सम्मानपूर्वक सामग्री वितरित की जाती है। धार्मिक परंपरा के साथ बच्चियों को प्रोत्साहित करने की यह पहल नवरात्र के उत्सव को सेवा, सम्मान और सामाजिक सरोकारों से जोड़ रही है।

20 अक्टूबर को होगा महाकन्या भोज- श्री सतीचौरा समिति द्वारा प्रतिवर्ष बड़े स्तर पर महाकन्या भोज का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों कन्याओं का पूजन, शोभायात्रा, कन्या भोज और सामग्री वितरण जैसे कार्यक्रम होते हैं। इस वर्ष महाकन्या भोज का आयोजन 20 अक्टूबर को किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए समिति द्वारा तैयारियां की जा रही हैं।

समिति की ओर से पार्षदों को पत्र लिखकर अपने-अपने वार्ड से कन्याओं को आयोजन में लाने का आग्रह किया जा रहा है। इसके साथ ही शहर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और संबंधित महिलाओं से भी सहयोग की अपील की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक बच्चियां इस आयोजन में शामिल हो सकें।

आस्था से आगे, बेटियों के सम्मान का संकल्प- सतीचौरा मां दुर्गा मंदिर में नवरात्र के दौरान आयोजित यह कन्या पूजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है। बच्चियों को सम्मान देने, उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करने और जरूरत की सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास इसे सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाता है।

मां दुर्गा की आराधना के बीच बेटियों के सम्मान और उज्ज्वल भविष्य का संदेश देने वाली यह पहल समाज को याद दिलाती है कि कन्या पूजन का वास्तविक भाव बेटियों को सम्मान, अवसर और आगे बढ़ने का संकेत देना भी है।

भिलाई में सजेगा युवाओं का महाकुंभ, SAMVID 2026 में जुटेंगे 20 हजार विद्यार्थी

24-25 अक्टूबर को होगा टेक्नो-कल्चरल फेस्ट; 23 से 25 अक्टूबर तक A New Generation Summit में युवा संसद, मॉडल यूनाइटेड नेशंस और वैश्विक मुद्दों पर होगी चर्चा

सेलिब्रिटी नाइट में DJ Amin, Hustle फेम वासु केंट और आउटस्टेशन बैंड की प्रस्तुतियां होंगी खास आकर्षण

भिलाई। तकनीक, संस्कृति, नवाचार और युवा नेतृत्व का संगम एक बार फिर भिलाई में देखने को मिलेगा। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (SSPU) एवं श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस (SSTC), जुनवाली द्वारा 24 और 25 अक्टूबर को वार्षिक टेक्नो-कल्चरल एवं मैनेजमेंट फेस्ट 'SAMVID 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष इसकी थीम Connecting Minds – Creating Future रखी गई है। आयोजन के दौरान 23 से 25 अक्टूबर तक A New Generation Summit भी आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार, दोनों आयोजनों में लगभग 20 हजार विद्यार्थियों की सहभागिता की संभावना है।

इस संबंध में गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कार्यक्रम की संयोजक प्रो. समता गजभिए तथा सह-संयोजक डॉ. रुरुति तिवारी और डॉ. मोनिका श्रीवास्तव ने आयोजन की रूपरेखा और प्रमुख गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि SAMVID विद्यार्थियों को अपनी तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता, सांस्कृतिक प्रतिभा



और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने का मौका प्रदान करेगा। पिछले वर्ष इस आयोजन में लगभग 15 हजार विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था।
युवा संसद और मॉडल यूनाइटेड नेशंस में होगी वैश्विक मुद्दों पर चर्चा- SAMVID के साथ आयोजित होने वाला A New Generation Summit इस वर्ष विशेष आकर्षण रहेगा। 23, 24 और 25 अक्टूबर को होने वाले इस समिट का उद्देश्य युवाओं में स्वतंत्र चिंतन, तार्किक क्षमता, संवाद कौशल और नेतृत्व की भावना विकसित करना है।

समिट के अंतर्गत मॉडल यूनाइटेड नेशंस (MUN) और यूथ पार्लियामेंट जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें लोकसभा, छत्तीसगढ़ विधानसभा, विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतरराष्ट्रीय प्रेस, ऑल इंडिया इन्फ्लुएंसर मीट, संयुक्त राष्ट्र महासभा और विधि आयोग से संबंधित विषयों पर चर्चा एवं वाद-विवाद होंगे।

इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को वैश्विक मुद्दों, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय प्रक्रियाओं को समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही उनमें तार्किक चिंतन, निर्णय क्षमता, प्रभावी संवाद और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे गुणों को विकसित करने पर जोर दिया जाएगा।

सेलिब्रिटी नाइट में संगीत और मनोरंजन का तड़का- SAMVID 2026 की सेलिब्रिटी नाइट विद्यार्थियों के लिए प्रमुख आकर्षण होगी। 24 और 25

जिम्मेदारी और कानूनी जागरूकता से जोड़ने का संदेश दिया।

यह अभियान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री के. विनोद कुंजर के मार्गदर्शन तथा प्राधिकरण के सचिव श्री उमेश कुमार भागवतकर के निर्देशन में संचालित किया गया। इसका उद्देश्य आमजन को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और कानून से जुड़ी जरूरी जानकारीयों को सरल भाषा में लोगों तक पहुंचाना रहा।

तक के बीच अधिकारों की जानकारी- नवरात्र के दौरान दुर्गा पूजा पंडालों में बड़ी संख्या में महिलाएँ, युवा और परिवारजन पहुंचते हैं। इसी जनसहभागिता को जनहित में उपयोग करते हुए DLSA दुर्ग ने लोगों के बीच



पहुँचकर विधिक जागरूकता का संदेश दिया। शिविरों में नागरिकों को बताया गया कि कानून और न्याय से जुड़ी जानकारी केवल न्यायालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के दैनिक

दुर्ग न्यायालय में डिजिटल न्याय की पहल : वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जमानत पर सुनवाई, मुंबई-चेन्नई के गवाहों के बयान दर्ज

तकनीक से आसान हुई न्यायिक प्रक्रिया, लंबी दूरी की बाधाएं कम करने और समय-संसाधनों की बचत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुंजर के मार्गदर्शन में डिजिटल न्याय और विधिक जागरूकता को बढ़ावा देने पर जोर

दुर्ग। न्याय पाने की राह में दूरी बाधा न बने और न्यायिक प्रक्रिया अधिक सुगम एवं प्रभावी हो, इस दिशा में दुर्ग न्यायालय में तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक जमानत आवेदन पर सुनवाई को उसका निराकरण किया गया। वहीं, एक अन्य विचारणाधीन प्रकरण में मुंबई और चेन्नई में मौजूद महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज करने के साथ प्रतिपरीक्षण की कार्यवाही भी पूरी कराई गई। न्यायिक कार्यों में सुचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का यह उपयोग डिजिटल न्याय व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जमानत आवेदन पर सुनवाई- न्यायालयीन कार्यवाही में तकनीक के उपयोग से अधिवक्ताओं को वर्चुअल माध्यम से अपनी बात रखने की सुविधा मिली। एक प्रकरण में अधिवक्ताओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर जमानत आवेदन पर अपना पक्ष रखा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने आवेदन का विधिवत निराकरण किया। इस व्यवस्था से न्यायिक कार्यवाही में वर्चुअल



सहभागिता संभव हुई। साथ ही, आवामजन में लगने वाले समय और संसाधनों की बचत में मदद मिली। डिजिटल माध्यमों का उपयोग न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने और संबंधित पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित करने में सहायक साबित हो रहा है।

मुंबई और चेन्नई के गवाहों के बयान दुर्ग में दर्ज- डिजिटल न्याय व्यवस्था का प्रभाव एक अन्य विचारणाधीन प्रकरण में भी देखने को मिला, जहां मुंबई और चेन्नई में निवासरत महत्वपूर्ण गवाहों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दुर्ग न्यायालय की कार्यवाही से जोड़ा गया। निर्धारित तकनीकी एवं विधिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए गवाहों के बयान दर्ज किए गए और प्रतिपरीक्षण की कार्यवाही पूरी कराई गई। इस पहल से गवाहों को लंबी दूरी तय कर न्यायालय तक पहुंचने में होने वाली कठिनाइयों को कम करने में मदद मिली। साथ ही, साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सुविधा हुई। यह व्यवस्था दर्शाती है कि तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल से न्यायिक कार्यवाही में कौमोदिक दूरी को चुनौती को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

डिजिटल न्याय के साथ विधिक जागरूकता पर भी जोर- न्यायिक प्रक्रिया में तकनीक का लाभ अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए डिजिटल सुविधाओं की जानकारी आम नागरिकों और संबंधित हितधारकों तक पहुंचाना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र

न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष श्री के. विनोद कुंजर के मार्गदर्शन और प्राधिकरण के सचिव श्री उमेश कुमार भागवतकर के निर्देशन में विधिक जागरूकता संबंधी प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के तहत आम नागरिकों, अधिवक्ताओं और पक्षकारों को न्यायिक एवं विधिक सेवाओं से जुड़ी उपलब्ध सुविधाओं तथा तकनीकी संसाधनों के उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, विधिक सहायता की उपलब्धता और न्याय तक पहुंचने के विभिन्न माध्यमों से परिचित कराना है।

तकनीकी से न्याय तक पहुंच आसान बनाने का प्रयास- डिजिटल माध्यमों के जरिए न्यायिक कार्यवाही को अधिक सुलभ बनाने की पहल समय की जरूरत बनती जा रही है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जमानत आवेदन पर सुनवाई और दूसरे शहरों में मौजूद गवाहों के बयान दर्ज किए जाने जैसे उदाहरण बताते हैं कि तकनीक न्यायिक प्रक्रिया में व्यावहारिक सुविधा प्रदान कर सकती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा डिजिटल सुविधाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों का उद्देश्य न्यायिक संस्थाओं और आम नागरिकों के बीच संवाद को मजबूत करना तथा पात्र व्यक्तियों तक विधिक सहायता की जानकारी पहुंचाना है। तकनीक और विधिक जागरूकता का यह समन्वय न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, सुविधाजनक और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रमुख विषय रहा। नागरिकों को फर्जी कॉल, ओटीपी के नाम पर धोखाधड़ी, संदिग्ध लिंक और ऑनलाइन ठगी के विभिन्न तरीकों के प्रति सतर्क किया गया।

लोगों को समझाया गया कि बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी, ओटीपी और अन्य संवेदनशील विवरण किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें।

संदिग्ध संदेशों और लिंक से बचें तथा साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काश अपने बैंक और साइबर तफ़्ताक हेल्पलाइन *1930* के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की दिशा में कदम उठाएँ।

बच्चों की शिक्षा के अधिकार पर भी जोर- विधिक साक्षरता शिविरों में बच्चों की शिक्षा और उनके

अधिकारों से संबंधित विषयों को भी प्रमुखता दी गई। नागरिकों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) की *शिक्षा योजना, 2026* के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों के हितों की सुरक्षा, शिक्षा के अधिकार और जरूरतमंद पात्र व्यक्तियों तक विधिक सहायता पहुंचाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इस दौरान शिक्षा को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के साथ-साथ एक आदर्श, सशक्त और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण का आधार बताया गया। लोगों को बच्चों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील रहने और जरूरतमंदों को उपलब्ध सहायता की जानकारी देने के लिए प्रेरित किया गया।

न्याय और कानून को आमजन

तक पहुंचाने की साधक पहल- DLSA दुर्ग की यह पहल दर्शाती है कि विधिक जागरूकता को प्रभावी बनाने के लिए कानून की जानकारी उन स्थानों तक पहुंचाना जरूरी है, जहाँ आम नागरिक बड़ी संख्या में एकाग्रित होते हैं। नवरात्र जैसे जनसहभागिता वाले धार्मिक आयोजन इस दिशा में महत्वपूर्ण माध्यम बन सकते हैं।

माँ दुर्गा की आराधना के साथ साइबर सुरक्षा, शिक्षा के अधिकार और विधिक सहायता का संदेश देकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने समाज में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया। यह पहल भक्ति के साथ नागरिक कर्तव्यों, अधिकारों और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता का संदेश देती है।